स्मार्ट सिटी की सड़कों के टीडीआर सर्टिफिकेट पर उलझन बरकरार

▶ बैठक में भी हुई थी बहस, पर नतीजा सिफर

नव भारत न्यूज

इंदौर. स्मार्ट सिटी के सड़कों पर टीडीआर सर्टिफिकेट को लेकर आज भी उलझन बरकरार है. इसकी वजह यह है कि नीति नियम में अभी तक सरकार को संशोधन के लिए प्रस्ताव नहीं भेजा है. पहले से बनकर कर आए नियमों में टीडीआर सर्टिफिकेट के लिए भूमि संबंधित दस्तावेज की जानकारी मांगी है, वो कोई भू मकान मालिक पूरी करने में असमर्थ है.

शहर में नगर निगम द्वारा स्मार्ट सिटी के तहत सड़क चौड़ीकरण में आम जन के मकान तोड़े गए थे. उसमें बड़ा गणपति से खजुरी बाजार, महूनाका से टोरी कॉर्नर, जयरामपुर कॉलोनी से गौराकुंड चौराहा और सरवटे से गंगवाल बस स्टैंड की सड़कें शामिल है. उक्त सड़कों को मास्टर प्लान के अनुसार चौड़ा किया गया है. इस दौरान नगर निगम ने आमजन और रहवासियों के मालिकाना हक और रजिस्ट्री वाले मकान तोड़े हैं. इसके बदले में मकान मालिकों को टीडीआर सर्टिफिकेट देने का वादा किया था, लेकिन नगर निगम आज तक टीडीआर सर्टिफिकेट जारी नहीं कर पा रहा है. दरअसल मामला यूं फंस गया है कि शासन ने टीडीआर सर्टिफिकेट के लिए जो नियम शर्ते बनाई है, वह कोई भी मकान मालिक पूरी नहीं कर पा रहा है. टीडीआर सर्टिफिकेट के लिए निगम ने मालिकाना हक के 10 तरह के दस्तावेज की मांग की है, जब तक वे पूरे नहीं होंगे कंप्यूटर में फाइल आगे नहीं बढ़ती है.

पात्र लोगों के साथ न्याय होगा- महापौर: इंदौर नगर निगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने टीडीआर सर्टिफिकेट की समस्या को लेकर बताया कि पात्र लोगों के साथ न्याय होगा. हम युद्ध स्तर पर टीडीआर सर्टिफिकेट को लेकर काम कर रहे हैं.

नीति नहीं होने से कई साल रुके रहे बीआरटीएस के मकान : बीआरटीएस सड़क निर्माण के दौरान भी टीडीआर सर्टिफिकेट देने का मकान और जमीन मालिक को कहा गया था, लेकिन शासन की नीति नहीं बनने के कारण कई सालों तक टीडीआर सर्टिफिकेट जारी नहीं हुए थे. इससे जमीन देने के बाद लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा था.

क्या है टीडीआर?

टीडीआर का मतलब है ट्रांसफर डेवलपमेंट राइट्स. इसके तहत निजी जमीन या भवन को उसके अनुपात में मिलने वाले फ्लोर एरिया रेशो (एफएआर) को किसी अन्य जमीन मालिक को बेचने का अधिकार दिया जाता है. उसके एवज में खरीददार भुगतान करता है.

महापौर भी हुए थे मामले को लेकर नाराज

सिटी बस कार्यालय में विधानसभा चार के पार्षदों की बैठक में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भी टीडीआर सर्टिफिकेट को लेकर तत्कालीन अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया पर गुस्सा किया था. महापौर ने कहा कि लोगों के मकान तोड़ दिए, जब उनसे पूछा था क्या प्रमाण कि आपका है या नहीं. आज उनसे मालिकाना हक होने के दस्तावेज मांग रहे हो? सौ से सवा सौ साल पुराने मकान है जो तोड़े है. जिनके मकान तोड़े है, वो कहां से लाएंगे इतने पुराने दस्तावेज? इसके बाद नियम में संशोधन करने पर सहमति बनी हुई थी, लेकिन आज तक नियमों में संशोधन नहीं हो सके हैं.

पार्षदों का स्वच्छता अभ्यास वर्ग में चलेगा क्लीन मिशन अभियान

▶ स्वच्छता अभियान की तैयारी जोरशोर से शुरू

▶ दूसरे शहरों की स्वच्छता तकनीक अपनाने की तैयारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. देश में 9 वीं बार सिरमौर बनने के लिए नगर निगम ने तैयारी शुरू कर दी है. इसके लिए आज ट्रिपल आर सेंटर का शुभारंभ कर पार्षदों का अभ्यास वर्ग आयोजित किया गया. इसमें पार्षदों को बताया गया कि अब रोजाना हर वार्ड की सफाई व्यवस्था की डिजिटल रिपोर्ट अपडेट करना होगी.

देश का सबसे स्वच्छ शहर अब एक बार फिर नंबर-1 बनने की दिशा में कमर कस चुका है. स्वच्छता अभियान को और मजबूती देने के लिए आज स्वच्छता अभ्यास वर्ग और स्वच्छ वार्ड रैंकिंग कार्यशाला का आयोजन आरआरआर केंद्र, केसर बाग रोड पर किया गया. कार्यशाला में चार सौ अंकों की स्वच्छता वार्ड रैंकिंग टूलकिट प्रस्तुत की गई. इसमें बताया गया कि अब हर वार्ड की स्वच्छता का मूल्यांकन कचरा प्रबंधन, स्रोत पर पृथक्करण, जनसहभागिता, सफाई व्यवस्था, नवाचार गतिविधियाँ, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता जैसे मानकों के आधार पर किया जाएगा. कार्यक्रम में सूरत, नवी मुंबई और विशाखापट्टनम के दौरे से जुड़े अनुभव बताए गए. उक्त तीनों शहरों में वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट, उन्नत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, क्लीन स्ट्रीट सिस्टम, मशीनरी से सफाई जैसी व्यवस्था हैं. इंदौर में इनमें से कई सफाई नवाचारों को अपनाने पर भी चर्चा की गई. अभ्यास वर्ग में रोजाना नई रैंकिंग प्रणाली में वार्डों को प्रतिदिन डिजिटल पोर्टल पर सफाई रिपोर्ट अपडेट करना होगी. निरीक्षण टीम नियमित विज़िट करेगी. रहवासियों से फीडबैक लिया जाएगा. वर्ष के अंत में टॉप वार्ड को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र मिलेगा. वार्ड रैंकिंग का उद्देश्य शहर के हर क्षेत्र को बराबर स्वच्छ बनाना है. कार्यक्रम में स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल, एमआईसी सदस्य और बड़ी संख्या में पार्षदों की मौजूदगी थी.

इंदौर फिर स्वच्छता का सिरमौर बनेगा : महापौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर को फिर नंबर-1 बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है. 3.5 वर्ष के कार्यकाल में पार्षदों ने कई काम किए हैं. कुछ काम पूरे हुए, कुछ प्रगति पर और कई योजनाएं पाइपलाइन में हैं. हमारा लक्ष्य है कि जनप्रतिनिधियों की भूमिका को मजबूत किया जाए. यदि हम सभी स्वच्छता के नए नियमों का पालन करते हुए काम करें तो इंदौर को नंबर-1 बनने से कोई नहीं रोक सकता. अब हमारी परीक्षा का समय है और इंदौर फिर से देश का स्वच्छता में सिरमौर बनेगा.

डिजिटल आरआरआर टैलेंट लॉन्च : कार्यक्रम में इंदौर आरआरआर टैलेंट डिजिटल का शुभारंभ भी किया गया. इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से शहर में तकनीकी नवाचार, युवा प्रतिभा, क्लीन-ग्रीन प्रोजेक्ट में डिजिटल भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा.

शहर का सम्मान हमारी पहचान- आयुक्त: आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि शहर का सम्मान हम सबकी पहचान है. इसे बनाए रखने के लिए अधिकारी, पार्षद और नागरिक सभी को एक टीम की तरह काम करना होगा. हर संस्था में चुनौतियाँ होती हैं, वित्तीय प्रबंधन में भी सुधार और नवाचार जरूरी हैं. स्वच्छ सर्वेक्षण और फाइनेंस दोनों में पार्षदों का सहयोग अहम है.

भोजशाला केस में हाईकोर्ट की सुनवाई टली

▶ अब 18 फरवरी को होगा अगला निर्णायक दौर

इंदौर. धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर से जुड़े बहुचर्चित विवाद में सोमवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में प्रस्तावित सुनवाई नहीं हो सकी. न्यायालय में मामलों के अधिक बोझ के चलते प्रकरण को स्थगित कर अगली सुनवाई की तारीख 18 फरवरी तय की गई है.

सरकारी पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता ने कहा कि कोर्ट में आज विस्तृत बहस प्रस्तावित थी, लेकिन समयाभाव के कारण मामला आगे नहीं बढ़ पाया. उन्होंने कहा कि अगली पेशी पर राज्य शासन अपना पक्ष मजबूती से रखेगा और सभी तथ्यों को अदालत के सामने रखा जाएगा. वहीं याचिकाकर्ता संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों का कहना है कि भोजशाला को लेकर वर्षों से चली आ रही स्थिति पर अब न्यायिक स्पष्टता जरूरी हो चुकी है. उनका दावा है कि ऐतिहासिक साक्ष्यों और धार्मिक अधिकारों के आधार पर वे अपना पक्ष मजबूती से प्रस्तुत करेंगे. वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि हर सुनवाई को देखते हुए कानून-व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरती जा रही है. अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कोर्ट के फैसले के अनुरूप ही आगे की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी, ताकि किसी तरह का तनाव न बने.

प्रदेशभर की निगाहें अदालत पर

भोजशाला विवाद केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक विरासत और सामाजिक संतुलन से भी जुड़ा हुआ है. ऐसे में 18 फरवरी की सुनवाई को लेकर प्रदेशभर में राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक हलकों में खास उत्सुकता बनी हुई है.

अग्निवीर सेना भर्ती के नामांकन प्रारंभ

इंदौर. सेना में अग्निवीर जीडी/ कर्लक/ एस. के. टी./ दैनिक्ल/ट्रेडस्मैन (8वीं व 10वीं), महिला सेना पुलिस एवं स्थाई पद नर्सिंग असिस्टेट/ नर्सिंग असिस्टेट (वैट) और सिपाही फार्मा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई है. आवेदन की प्रक्रिया 1 अप्रैल तक खुली रहेगी. इसकी अधिसूचना इंडियन आर्मी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं. इस बार सेना भर्ती के लिए आयु सीमा में एक वर्ष की वृद्धि की गई है, इसमें 1 जुलाई 2005 से 1 जुलाई 2009 के बीच जन्में युवा अग्निवीर पद के लिए और स्थाई पद के लिए 01 जुलाई 2004 से 1 जुलाई 2009 के बीच जन्में युवा ही पंजीकरण कर सकेंगे.

एक नजर में

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने लॉन्च किया हैलो कैशबैक क्रेडिट कार्ड

इंदौर. आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने हैलो कैशबैक क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है. यह कार्ड फिक्स्ड डिपॉजिट पर आधारित है और खासतौर पर डिजिटल तरीके से खर्च करने वाले ग्राहकों के लिए बनाया गया है. यह 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के युवाओं के लिए उपयोगी है, जो ऑनलाइन और यूपीएआई के जरिए अधिक लेन-देन करते हैं. इस कार्ड की मदद से ग्राहक अपनी क्रेडिट हिस्ट्री बनाना शुरू कर सकते हैं. आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के क्रेडिट कार्ड्स, फास्टैग और लॉयल्टी हेड शिरीष भंडारी ने कहा, हैलो कैशबैक एक एफडी-आधारित क्रेडिट कार्ड है, जो ऑनलाइन खर्च पर 5% तक कैशबैक देता है. इसे खास तौर पर डिजिटल समझ रखने वाले ग्राहकों के लिए बनाया गया है, खासकर 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के युवाओं के लिए, जो अपनी क्रेडिट यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं और जिनकी खर्च करने की आदतें ऑनलाइन और यूपीआई आधारित हैं.

'जल वाणी' अभियान का समर्थन किया

इंदौर. भारत में पानी की कमी, नदियों का प्रदूषण और अनियमित जल आपूर्ति अब कई लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन गई है। इस समस्या से निपटने के लिए मिर्ची ने राष्ट्रीय जल मिशन और जल शक्ति मंत्रालय के साथ मिलकर देशव्यापी 'जल वाणी' अभियान शुरू किया है। गायक मोहित चौहान, अभिनेत्री तापसी पन्नू और फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा इस पहल का समर्थन कर रहे हैं और लोगों से पानी बचाने के लिए छोटे-छोटे कदम उठाने की अपील कर रहे हैं. मोहित ने कहा 'जल वाणी' का हिस्सा बनकर मुझे लोगों को याद दिलाने का मौका मिला कि हर छोटा कदम मायने रखता है जैसे नल बंद करना, हर बूंद बचाना या आसपास हो रही बर्बादी पर ध्यान देना. ये छोटे कदम मिलकर जिम्मेदारी की बड़ी सोच बनाते हैं. तापसी ने कहा पानी बचाना सिर्फ सरकारी नीति का विषय नहीं है, यह हम सभी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है. आज बचाई गई हर बूंद आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारा वादा है.

एयरटेल ने एआई आधारित सुरक्षा फीचर लॉन्च किया

इंदौर. एयरटेल ने स्पैम की समस्या से निपटने के अपने लगातार प्रयासों के तहत आज अपना नया एआई पावर्ड फ्रॉड अलर्ट सिस्टम लॉन्च किया है. यह फीचर ग्राहकों को ओटीपी से जुड़े बैंकिंग फ्रॉड से रियल-टाइम में सुरक्षित रखने में मदद करेगा. इस पहल पर टिप्पणी करते हुए एयरटेल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शाश्वत शर्मा ने कहा हम एयरटेल को एक सुरक्षित नेटवर्क बनाने के मिशन पर काम कर रहे हैं. इस दौरान हमने महसूस किया है कि डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित रखने में ओटीपी की अहम भूमिका होने के बावजूद, अपराधी अलग-अलग तरीकों से इसकी उपयोगिता को कमजोर कर रहे हैं. इसी को देखते हुए हमें एयरटेल के नेटवर्क स्तर पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जिसे बैंकिंग फ्रॉड से सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए तैयार किया गया है.

आईआईएफएल फाईनेंस ने 2000 करोड़ के बॉन्ड जारी किए

इंदौर. आईआईएफएल फाईनेंस लिमिटेड ने रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) के पब्लिक इश्यू जारी किए हैं, जो 17 फरवरी से मिलना शुरू होंगे. इनका इश्यू साईज़ 500 करोड़ रुपये है और 1,500 करोड़ रुपये तक का ओवरसब्सक्रिप्शन बनाए रखने के लिए ग्रीन-शू विकल्प है। इस प्रकार कुल इश्यू साईज़ 2,000 करोड़ रुपये का होगा. इस फंड का उद्देश्य कंपनी के व्यवसाय में वृद्धि करना और पूंजी बढ़ाना है. निर्मल जैन, फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, आईआईएफएल फाईनेंस ने कहा कि आईआईएफएल फाईनेंस भारत के प्रमुख एनबीएफसी में से एक है. यह पूरे देश में मजबूत स्थिति रखता है. इसका डाईवर्सिफाईड रिटेल पोर्टफोलियो 4.6 मिलियन से अधिक वंचित ग्राहकों को क्रेडिट प्रदान करता है. इस प्रस्तावित फंड के माध्यम से हम क्रेडिट की उपलब्धता और अधिक बढ़ाएंगे तथा अपने फंडिंग स्रोतों का विस्तार करेंगे. पिछले कुछ सालों में आईआईएफएल फाईनेंस ने बॉन्ड के माध्यम से फंड एकत्रित करने का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है तथा मूल राशि एवं ब्याज का समय पर भुगतान किया है.

पैंथर का ये बातें सादगी भरे रोमांस का खूबसूरत जश्न

इंदौर. भारतीय हिप-हॉप की दुनिया में अपनी रॉ और ईमानदार आवाज़ के लिए पहचान बना चुके पैंथर अब एक ताज़गी भरे अंदाज़ के साथ वापसी कर रहे हैं. वह अपने व्यक्तित्व के एक कम चर्चित पहलू को उजागर करते हुए अपना नया रोमांटिक बैलेड ये बातें प्रस्तुत कर रहे हैं, जो अनकहे शब्दों के जादू को खूबसूरती से अभिव्यक्त करता है. पैंथर का लिखा और गाया हुआ, ये बातें लेस्स इज मोर की फिलॉसफी पर बना है. यह गीत प्यार में खामोशी की सुंदरता, ठहराव, नज़र और आधी मुस्कान को बहुत अच्छे से दिखाता है, जहां प्यार पूरी तरह से व्यक्त किए बिना भी पूरा महसूस होता है. पैंथर कहते हैं यह गीत मेरे दिल के बेहद करीब है. मैंने हमेशा खुद को दमदार बार्स और हार्ड रैप के जरिए व्यक्त किया है, लेकिन इस बार मैं अपने श्रोताओं को कुछ अलग देना चाहता था और ये बातें के साथ अपने सॉफ्ट और ज़्यादा शायराना साइड को अपनाना चाहता था, और मुझे यकीन है कि मेरे फैंस भी इस फीलिंग से रिलेट करेंगे.

सभागृह के किराए में होगी कमी, लाइब्रेरी में बनेगा बुक बैंक

▶ अहिल्या लायब्रेरी और दुआ सभागृह को लेकर परामर्शदात्री समिति की हुई बैठक

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां करने वाले विद्यार्थियों के लिए शहर में कॉम्पिटिशन कॉर्नर बनेगा. अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय में स्कूली बच्चों के लिए बुक बैंक योजना शुरू की जाएगी. प्रीतमलाल दुआ सभागृह के किराए में भी कमी की गई है. उक्त निर्णय आज अहिल्या लायब्रेरी की परामर्शदात्री समिति की बैठक में लिया गया है.

आज संभागायुक्त डॉ. सुदामा खाड़े ने शासकीय अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय परामर्शदात्री समिति की बैठक ली. बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने केन्द्रीय पुस्तकालय तथा प्रीतमलाल दुआ सभागृह की विभिन्न गतिविधियों एवं विकास कार्यों की समीक्षा की. इस दौरान संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि शासकीय अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय में एक ऐसा बुक बैंक बनाया जाएगा, जिसमें माध्यमिक कक्षाओं से लेकर हाई सेकेण्डरी कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए पुरानी पुस्तकों का संग्रह होगा. इस बुक बैंक योजना में छात्र अपनी पुरानी पुस्तकें जमा कर सकेंगे और जिन्हें पुस्तकों की आवश्यकता होगी, वे यहां से निश्शुल्क प्राप्त कर सकेंगे. इसके लिए पुस्तकालय द्वारा वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी. बैठक में डॉ. खाड़े ने कहा कि पुस्तकालय में लोक सेवा आयोग, संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग तथा हर तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां करने वाले छात्र-छात्राएं के लिए कंप्टीशन कॉर्नर बनेगा. प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं के लिये विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान, संगोष्ठी, परिचर्चा आदि गतिविधियां प्रारम्भ करने की रूपरेखा बनाने पर चर्चा की गई. बैठक में पुस्तकालय समिति सचिव हर्षिता डेविड, पूर्व ग्रंथपाल जी.डी. अग्रवाल, सदस्य अनिल भंडारी, संस्कृति कर्मी जयंत भिसे, निगम कार्यपालन यंत्री श्रीकांत काटे, आईडीए अधीक्षण यंत्री रोहित मालवीय सहित संबंधित अधिकारी शामिल थे.

अब इस तरह रहेगा किराया...

बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि अब 120 बैठक क्षमता के प्रीतमलाल दुआ सभागृह में विभिन्न संस्थाओं को 4 घंटे के लिए भी किराए पर दिया जाएगा. सभागृह का 4 घंटे किराया 3 हजार, 6 घंटे का किराया 6 हजार और 8 घंटे का अब 9 हजार रुपए किया गया है. सुरक्षा निधि अलग से ली जायेगी. इसी प्रकार सभागृह में स्थित प्रदर्शनी हॉल में एकल प्रदर्शनी का किराया अब 3 हजार प्रतिदिन और समूह प्रदर्शनी का किराया अब 6 हजार किया गया है. वाणिज्यिक प्रदर्शनी का किराया 20 हजार रुपए होगा. इसके अतिरिक्त शुल्क एक हजार रुपए प्रति घंटा रहेगा. एसी शुल्क 200 और जनरेटर शुल्क एक हजार रुपए प्रति घंटा तय किया है.

काव्य गौरव अलंकरण के लिए पांच कवि चयनित

▶ पंकज प्रसून, निशा पंडित, कमलेश दवे, पुष्पेन्द्र पुष्प और शिवांगी प्रेरणा को मिलेगा 22 फरवरी को काव्य गौरव अलंकरण

इंदौर. हिन्दी भाषा की वाचिक परम्परा से मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा पाँच कवियों को प्रतिवर्ष काव्य गौरव अलंकरण प्रदान किया जाता है. वर्ष 2026 में माण्डव से डॉ. पंकज प्रसून चौधरी, उज्जैन से निशा पंडित, नागदा से कमलेश दवे, बड़नगर से पुष्पेंद्र जोशी पुष्प और भोपाल से शिवांगी प्रेरणा का चयन किया गया है. यह अलंकरण संस्थान के प्रतिष्ठा प्रसंग हिन्दी गौरव अलंकरण समारोह में प्रदान किया जाएगा. यह समारोह 22 फ़रवरी को आयोजित किया जा रहा है.

मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन अविचल ने बताया कि %संस्थान विगत छह वर्ष से वाचिक परम्परा के पाँच युवा कवियों को काव्य गौरव अलंकरण से सम्मानित करता है, जिसमें वर्ष 2026 के लिए चयन समिति ने देशभर से प्राप्त अनुशंसाओं के आधार पर कवियों का चयन किया है.

ज्ञात हो कि कवियों का चयन देश के विभिन्न प्रान्तों से होता है, विगत पाँच वर्षों में पच्चीस कवि काव्य गौरव अलंकरण से सम्मानित हो चुके हैं. काव्य गौरव से अलंकृत होने वाले कवियों को मातृभाषा उन्नयन संस्थान राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए आमंत्रित किया.

काव्य पुरुष एवं वैष्णव परम्परा के कवि थे नरेश मेहता

इंदौर. ज्ञानपीठ से पुरस्कृत नरेश मेहता की जयंती पर मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति के वीणा संवाद केन्द्र द्वारा उन पर आधारित 'वीणा' के संपादक राकेश शर्मा द्वारा लिखित कृति 'श्रीनरेश मेहता के खण्डकाव्य और जीवन दर्शन' का लोकार्पण हुआ.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए चेन्नई से आये वरिष्ठ साहित्यकार बीएल आच्छा ने कहा कि श्रीनरेश मेहता वैष्णव जन की पीर को समझने वाले और मनुष्य को मनुष्यता को ले जाने वाले कवि है. वो काव्य पुरुष के साथ वैष्णव परम्परा के कवि थे. उन्होंने कहा कि उनकी रचनायें मंत्र की तरह नए काव्य को स्थान देती रही. मुख्य अतिथि म.प्र. साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने कहा कि नरेशजी की रचनायें हृदय के बहुत निकट प्रतीत होती है. राकेश शर्मा ने उनके खण्डकाव्यों के माध्यम से उनके जीवन दर्शन को हमारे सामने प्रस्तुत किया है, ये बहुत प्रशंसनीय कार्य है. राकेश शर्मा की ये कृति साहित्य जगत के लिये अनमोल धरोहर रहेगी. राजस्थान से आये वरिष्ठ साहित्य कृष्ण बिहारी पाठक ने कहा कि श्रीनरेश मेहता जी के साहित्य में युद्ध और शांति, जय-पराजय, लोक मंगल, करुणा शांति, सत्ता और शील अपराध और पश्चाताप जैसे तमाम विषयों का समावेश है. युवा साहित्यकार गौरव गौतम ने भी संबोधित किया. माँ सरस्वती की वंदना गीता शर्मा ने प्रस्तुत की. संचालन डॉ. अंतरा करवड़े ने किया. आभार डॉ. वसुधा गाडगिल ने व्यक्त किया. इस अवसर पर राकेश शर्मा का सम्मान 'वीणा संवाद केन्द्र एवं हिन्दी परिवार की ओर से किया. स्वागत उद्बोधन समिति के प्रधानमंत्री अरविन्द जवलेकर ने दिया.

स्वागत सूर्यकांत नागर, घनश्याम यादव, राजेश शर्मा, अनिल भोजे, हरेराम वाजपेयी, सदाशिव कौतुक, उमेश पारेख, वाणी जोशी आदि ने किया. इस अवसर पर सर्वश्री नर्मदा प्रसाद उपाध्याय, डॉ. शोभा जैन, नीरज दीक्षित, डॉ. कमल हेतावल, प्रभु त्रिवेदी, प्रदीप नवीन, अनिल त्रिवेदी, अर्चना शर्मा, देवेन्द्र सिसौदिया, आदि काफी संख्या में साहित्यकार उपस्थित थे.

एक नजर में ▶ आईआईएम इंदौर में अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारंभ

राष्ट्र निर्माण की यात्रा युवाओं के नवाचार व नेतृत्व क्षमता से जुड़ी

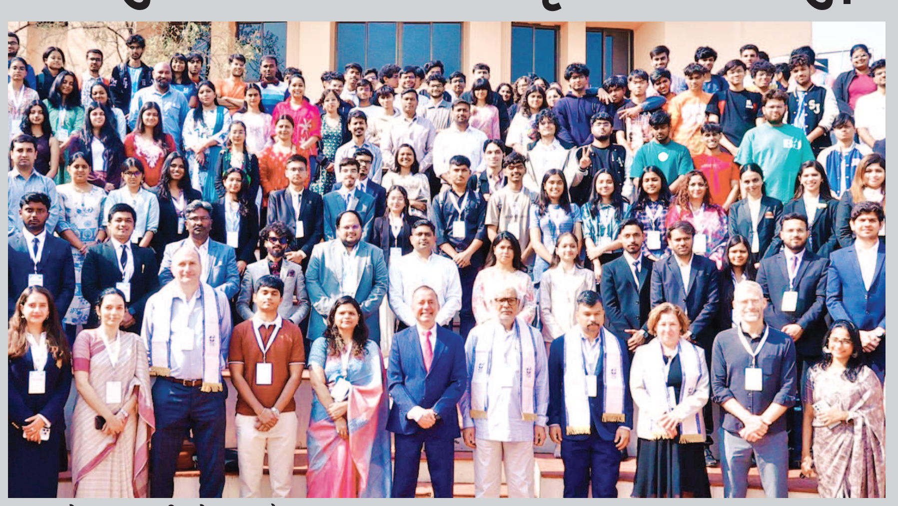

इंदौर. भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर (आईआईएम इंदौर) में यूथ फॉर इम्पैक्ट: सोशल इनोवेशन एंड इन्क्लूसिव लीडरशिप- एम्पावरिंग यूथ, ट्रांसफॉर्मिंग फ्यूचर्स विषय पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस का शुभारंभ हुआ. तीन दिवसीय कांफ्रेंस युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के युवा कार्य विभाग के समन्वय से आयोजित किया जा रहा है. कांफ्रेंस में देश-विदेश के प्रमुख शिक्षाविद्, नीति-निर्माता, विकास क्षेत्र के विशेषज्ञ तथा युवा नेतृत्वकर्ता सहभागी होकर समावेशी एवं सतत समाज के निर्माण में युवाओं की परिवर्तनकारी भूमिका पर विचार-विमर्श कर रहे हैं. कांफ्रेंस का उद्घाटन कांफ्रेंस पैट्रन एवं आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय द्वारा किया गया.

उद्घाटन संबोधन में प्रो. राय ने ऐसे सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया, जहाँ युवा अपने विचारों को सार्थक सामाजिक प्रभाव में रूपांतरित कर सकें. उन्होंने कहा- भारत के राष्ट्र-निर्माण की यात्रा उसके युवाओं की आकांक्षाओं, नवाचार और नेतृत्व क्षमता से जुड़ी है, और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका सामाजिक रूप से उत्तरदायी नेतृत्व के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है. आईआईएम इंदौर इस दायित्व में हर संभव योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है. भारत के विश्व के सबसे युवा देशों में उभरने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस जनसांख्यिकीय लाभांश को सार्थक नीति, संस्थागत सहयोग और समावेशी विकास ढाँचों के माध्यम से सशक्त बनाया जाना आवश्यक है। स्वागत भाषण में कांफ्रेंस संयोजक प्रो. श्रुति तिवारी ने विकास प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने के लिए नीति, शिक्षा और समुदाय के बीच समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया. उन्होंने कहा हम जो पढ़ाते हैं, नीति जो परिकल्पना करती है और समुदायों की वास्तविक आवश्यकताओं के बीच की दूरी को पाटना ही वास्तविक प्रभाव ला पता है.

व्याख्यान और पैनल चर्चा का आयोजन

कांफ्रेंस के प्रथम दिन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों द्वारा चार मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने युवा, नेतृत्व, स्वास्थ्य और सतत विकास के विभिन्न आयामों पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किए. पहले दिन इन्वेस्टिंग इन यूथ थ्रू सोशल इंटर्नशिप प्रोग्राम्स विषय पर एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें इम्पैक्ट इन्वेस्टर्स काउंसिल के विशाल रेड्डी, आईपीई ग्लोबल की सुश्री मेहक सूद और ओएनजीसी फाउंडेशन के मलिक फैज़ान गिज़ाली ने भाग लिया. कांफ्रेंस के अंतर्गत आयोजित टेक्निकल सेशंस में शोधार्थियों और विशेषज्ञों ने समावेशी नेतृत्व एवं सामाजिक प्रभाव, सामाजिक नवाचार एवं उद्यमिता, युवा कल्याण एवं लचीलापन तथा पहचान, समानता और नैतिकता जैसे विषयों पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए.